वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष:6 अंक: 13 | गुरुवार 11 जून 2026 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

सच • साहस • सरोकार

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड़, टोंक रोड, जयपुर

मुख्यमंत्री ने गणेश जी मंदिर में की पूजा-अर्चना

पीएम मोदी के दीर्घायु एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना की

जयपुर. कासं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को मोती डूंगरी स्थित गणेश जी मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना की। इस दौरान उन्होंने देश व प्रदेश की उन्नति तथा प्रधानमंत्री के दीर्घायु एवं स्वस्थ जीवन की कामना की। मुख्यमंत्री ने मीडिया से बातचीत में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 12 वर्ष का कार्यकाल पूर्ण हुआ है। इस समयावधि में उनके ऐतिहासिक कार्यों एवं निर्णयों से देश में सकारात्मक परिवर्तन आया है। जनकल्याण एवं विकास की योजनाएं, नक्सलवाद एवं आतंकवाद का खात्मा तथा दुनिया में बढ़ता भारत का गौरव इसका प्रमाण है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में अंतिम पायदन पर खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचा है। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश में सबसे लम्बे समय तक (12 वर्ष से अधिक) निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में ऐतिहासिक उपलब्धियों से भरे कार्यकाल में नव कीर्तिमान स्थापित किए हैं।

मोती डूंगरी मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना

पीएम मोदी के दीर्घायु की कामना की

श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण और संवाद

विकास, जनकल्याण और आत्मनिर्भरता पर जोर

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप इंदौर नगर का शिक्षा सहयोग अभियान आज से शुरू

इंदौर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप इंदौर नगर द्वारा छात्र हित में संचालित शिक्षा सहयोग कार्यक्रम का शुभारंभ 11 जून से किया जाएगा। इस अभियान के तहत शहर के 8 जिनालयों में रियायती दरों पर कॉपियों का वितरण किया जाएगा तथा जरूरतमंद विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति आवेदन पत्र भी उपलब्ध कराए जाएंगे। फेडरेशन के मीडिया प्रभारी राजेश जैन दद्दू ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ गुरुवार प्रातः 8:30 बजे नगर के 8 विभिन्न जिनालयों में एक साथ गणमान्य अतिथियों एवं फेडरेशन पदाधिकारियों की उपस्थिति में होगा। योजना के प्रमुख सूत्रधार दिलीप मेहता ने बताया कि शिक्षा सहयोग योजना तिलक नगर, गोयल नगर, विजय नगर, छत्रपति नगर, सुदामा नगर, कालानी नगर, क्लर्क कॉलोनी तथा सुकल्या स्थित जिनालयों में संचालित की जाएगी। 11 जून से 14 जून तक प्रतिदिन प्रातः 8:30 बजे से 10:30 बजे तक विद्यार्थियों को रियायती दरों पर कॉपियां उपलब्ध कराई जाएंगी। ग्रुप अध्यक्ष संजय जैन ने बताया कि विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति आवेदन पत्र भी इन केंद्रों पर वितरित किए जाएंगे। सचिव नीरज जैन ने कहा कि समाज के जरूरतमंद छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान करने के लिए आवेदन इन्हीं केंद्रों के माध्यम से स्वीकार किए जाएंगे। अभय बंडी ने जानकारी दी कि विद्यार्थी अपनी अंकसूची (मार्कशीट) दिखाकर आवेदन पत्र प्राप्त कर सकते हैं। साथ ही, केवल संबंधित निकटस्थ केंद्र से प्राप्त आवेदन ही मान्य होंगे। दिलीप मेहता ने बताया कि यह योजना ''पहले आओ, पहले पाओ'' के आधार पर संचालित की जाएगी। उन्होंने सभी अध्यक्षों, सचिवों, राष्ट्रीय पदाधिकारियों एवं समाजजनों से अपने निकटतम केंद्र पर पहुंचकर उद्घाटन कार्यक्रम को सफल बनाने का आग्रह किया।

ऋषभदेव गौरव न्यास समाजसेवियों एवं प्रतिभावान युवाओं को करेगा सम्मानित

न्यास के चुनाव में डॉ. अनुपम जैन अध्यक्ष मनोनीत

इंदौर. शाबाश इंडिया। इंदौर जिले एवं समीपवर्ती अंचल की युवा प्रतिभाओं एवं समाजसेवियों के कृतित्व को सामाजिक सम्मान प्रदान करने के उद्देश्य से वर्ष 2013 में गठित ऋषभदेव गौरव न्यास की साधारण सभा जंवरीबाग नसिया में संपन्न हुई। सभा में सर्वसम्मति से डॉ. अनुपम जैन को अध्यक्ष, नवीन गाजियाबाद को संरक्षक, जैनेश झांझरी को महामंत्री तथा डॉ. सिद्धार्थ जैन को कोषाध्यक्ष मनोनीत किया गया। वहीं न्यायमूर्ति जे.के. जैन को पुनः निर्णायक मंडल का अध्यक्ष बनाया गया। चुनाव संपन्न होने के पश्चात नवनियुक्त अध्यक्ष डॉ. अनुपम जैन ने घोषणा की कि वर्ष 2026 के लिए एक वरिष्ठ समाजसेवी एवं एक प्रतिभावान युवा को न्यास द्वारा अक्टूबर-नवंबर माह में आयोजित समारोह में क्रमशः ''समाज गौरव सम्मान'' एवं ''युवा गौरव सम्मान'' से सम्मानित किया जाएगा। धर्म-समाज प्रचारक राजेश जैन 'दद्दू' ने बताया कि प्रतिभाओं के चयन हेतु समाज से प्रविष्टियां आमंत्रित की जाएंगी। निर्णायक मंडल द्वारा चयनित प्रतिभाओं को शाल, श्रीफल एवं प्रशस्ति-पत्र के साथ सम्मानित किया जाएगा तथा 1 लाख 11 हजार रुपये की सम्मान राशि प्रदान की जाएगी। उन्होंने बताया कि वर्ष 2026 के पुरस्कारों के प्रायोजक टीएनए सॉल्यूशन लिमिटेड होंगे। इस आशय की घोषणा कंपनी के डायरेक्टर अनुज जैन ने करतल ध्वनि के बीच की। सभा में न्यायमूर्ति जे.के. जैन, हंसमुख गांधी, टी.के. वेद, अशोक खासगीवाला, डॉ. जैनेंद्र जैन, जैनेश झांझरी, अनिल जैन, अंबुज जैन, आयुष जैन, डॉ. अनुपमा जैन तथा डॉ. संगीता विनायका सहित अनेक समाजश्रेष्ठी उपस्थित थे। सभी ने नवनियुक्त अध्यक्ष डॉ. अनुपम जैन एवं पुरस्कार प्रायोजक अनुज जैन का स्वागत करते हुए उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

सभा में न्यायमूर्ति जे.के. जैन, हंसमुख गांधी, टी.के. वेद, अशोक खासगीवाला, डॉ. जैनेंद्र जैन, जैनेश झांझरी, अनिल जैन, अंबुज जैन, आयुष जैन, डॉ. अनुपमा जैन तथा डॉ. संगीता विनायका सहित अनेक समाजश्रेष्ठी उपस्थित थे।

मेरी भावना : जैन धर्म की जीवन जीने की सर्वोत्कृष्ट कला

अहिंसा, सत्य, अस्तेय, ब्रह्मचर्य एवं अपरिग्रह—ये पाँच अणुव्रत जैन श्रावक के नैतिक मूल्यों को उत्कृष्टता प्रदान करने के उत्तम साधन हैं। किंतु जीवन जीने की कला को श्रेष्ठता प्रदान करने के लिए ''मेरी भावना'' में उल्लिखित कामनाओं और आदर्शों को जीवन में आत्मसात करना भी अत्यंत आवश्यक है। ''मेरी भावना'' में निहित निर्देशों का नित्य आचरण जीवन में उत्कृष्ट चारित्रिक गुणों के सृजन का सशक्त माध्यम है। इसके पद्य न केवल पाँच अणुव्रतों के पालन की भावना को पुष्ट करते हैं, अपितु करुणा, दया, स्नेह, ममता, संतोष, क्षमा, शौच, चारित्रिक दृढ़ता तथा विश्वबंधुत्व जैसे मानवीय गुणों का भी संवर्धन करते हैं। ''मेरी भावना'' का नियमित वाचन एवं मनन व्यक्ति को स्वार्थ, घृणा, कृतघ्नता, विद्रोह, लोभ, अहंकार, क्षोभ और ईर्ष्या जैसे दुर्गुणों से दूर कर सद्गुणों की ओर अग्रसर होने की प्रेरणा देता है। साथ ही, यह व्यक्ति को सद्गुणों के धारक साधु-संतों एवं गुणीजनों के सान्निध्य के महत्त्व को समझने तथा उसे अपनाने की प्रेरणा भी प्रदान करता है। ''मेरी भावना'' के आचरण से न केवल व्यक्तित्व का विकास होता है, बल्कि देशप्रेम, सर्वमंगल, पारस्परिक सहयोग, लोककल्याण तथा स्वस्थ समाज एवं सशक्त राष्ट्र के निर्माण की भावना भी सुदृढ़ होती है। इसमें ऐसे आदर्श समाज की कल्पना की गई है, जहाँ न रोग फैलें, न दुर्भिक्ष हो, न महामारी का प्रकोप हो; जहाँ न्यायप्रिय शासनकर्ता हों, अहिंसामय धर्म की प्रतिष्ठा हो और सभी प्राणियों का कल्याण सुनिश्चित हो। वर्तमान समय में हिंसा, बलात्कार, छल-कपट, असत्य, पाखंड, मायाचार, ऊँच-नीच, जातीय वैमनस्य तथा राजनीतिक द्वेष के कारण सामाजिक वातावरण निरंतर दूषित होता जा रहा है। दहेज जैसी कुप्रथाओं के कारण बेटियों को प्रताड़ित किया जाता है और अनेक बार उन्हें अपने प्राणों से भी हाथ धोना पड़ता है। ईर्ष्या, अहंकार और सामंजस्य के अभाव में परिवार टूट रहे हैं। राष्ट्रों के बीच हथियारों की होड़ और प्रभुत्व स्थापित करने की प्रवृत्ति मानवता को युद्ध की विभीषिका की ओर धकेल रही है। ऐसे चुनौतीपूर्ण समय में ''मेरी भावना'' की पावन पंक्तियां हमें सदाचार, आत्मसंयम, सहिष्णुता, प्रेम और शांति के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती हैं। यदि इसके आदर्शों को व्यक्तिगत और सामाजिक जीवन में अपनाया जाए, तो एक ऐसे समाज का निर्माण संभव है, जहां मानवता, नैतिकता और परस्पर सद्भाव का साम्राज्य स्थापित हो तथा विश्व में शांति और कल्याण का वातावरण निर्मित हो सके।

डॉ. इन्द्र कुमार जैन
पूर्व उपनिदेशक, आयुर्वेद विभाग, जयपुर (राजस्थान)

खांसी (COUGH)

कारण, लक्षण, प्रकार, बचाव और होम्योपैथिक उपचार

खांसी स्वयं कोई रोग नहीं है, बल्कि श्वसन तंत्र में होने वाली किसी समस्या का एक महत्वपूर्ण लक्षण है। खांसी शरीर की एक प्राकृतिक सुरक्षा प्रक्रिया है, जिसके माध्यम से श्वसन मार्ग में जमा कफ, धूल, धुआं, एलर्जी पैदा करने वाले कण या अन्य अवांछित पदार्थ बाहर निकलते हैं। अत: यह दूसरी व्याधियों का केवल उपसर्ग है। न्यूमोनिया, ब्रोंकाइटिस, प्लुरिसी, टान्सिलाइटिस, यक्ष्मा, अजीर्ण व यकृत दोष आदि के उपसर्ग के रूप में हो जाती है। कभी-कभी यह इतनी भयंकर होती है कि यह अपने आप में एक स्वतंत्र रोग जान पड़ता है और इसकी चिकित्सा पर ध्यान देना पड़ता है।

खांसी के प्रमुख कारण

- वायरल संक्रमण – सर्दी-जुकाम, फ्लू आदि से
- गले में संक्रमण होने से
- एलर्जी हो जाने से
- धूल, धुआं एवं प्रदूषण के कारण
- दमा होने पर
- ब्रोंकाइटिस होने पर
- निमोनिया हो जाने पर
- क्षय रोग हो जाने पर
- धूम्रपान करने से उत्पन्न
- अम्लता के कारण
- कुछ दवाओं के दुष्प्रभाव से भी हो जाती है

खांसी के प्रमुख लक्षण

- बार-बार खांसना
- गले में खराश या जलन होना
- कभी सूखी व कभी कफ का निकलना
- छाती में भारीपन हो जाना, सारी पसलियों में खिंचाव हो जाता है
- ज्यादा खांसी से सांस फूलना
- सीने में दर्द हो जाना
- आवाज बैठ जाना
- बुखार होने पर भी हो जाती है

खांसी के प्रकार

1. **सूखी खांसी –** इसमें कफ नहीं निकलता। गले में खुजली, जलन और बार-बार खांसी आती है।
2. **कफयुक्त खांसी –** इसमें बलगम या कफ निकलता है। यह संक्रमण या ब्रोंकाइटिस में अधिक देखी जा सकती है।
3. **ऐलर्जिक खांसी –** धूल, परागकण, धुआं या मौसम परिवर्तन से उत्पन्न होती है।
4. **तीव्र खांसी –** 3 सप्ताह से कम समय तक रहने वाली खांसी।
5. **दीर्घकालिक खांसी –** 8 सप्ताह से अधिक समय तक बनी रहने वाली खांसी।
6. **काली खांसी –** एक संक्रामक जीवाणुजनित रोग जिसमें लगातार खांसी के दौरे आते है।

सावधानियां एवं बचाव

- पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं।
- धूम्रपान और तंबाकू से दूर रहें। यह रोग को बढ़ा देता है।
- धूल और प्रदूषण से बचें।
- गुनगुने पानी का सेवन इसमें लाभदायक है।
- पौष्टिक एवं संतुलित भोजन करना चाहिए।
- संक्रमण से बचने के लिए हाथों की स्वच्छता पर ध्यान दें।
- ठंडी वस्तुओं का अत्यधिक सेवन न करें। गर्म खाद्या ही लें।
- पर्याप्त आराम करें।

डॉ. एम.एल. जैन 'मणि'
बी.एम.एस. (होम्योपैथी), पीएच.डी.
वरिष्ठ होम्योपैथ एवं पूर्व शैक्षणिक सदस्य,
होम्योपैथिक विश्वविद्यालय, जयपुर।

कब तुरंत चिकित्सक से संपर्क करें?

- खांसी 3 सप्ताह से अधिक रहती है। आवश्यक टैस्ट, एक्स रे आदि करवाएं।
- खून के साथ कफ आता हो।
- तेज बुखार हो।
- सांस लेने में कठिनाई हो।
- सीने में अत्यधिक दर्द हो।
- वजन तेजी से कम हो रहा हो।

होम्योपैथिक चिकित्सा – खांसी में उपयोगी प्रमुख औषधियां

दवा का चयन रोगी के संपूर्ण लक्षणों के आधार पर किया जाता है।

1 ऐकोनाइट
- अचानक शुरू हुई सूखी खांसी
- ठंडी हवा लगने के बाद उत्पन्न
- बेचैनी और घबराहट के साथ

2 ब्रायोनिया
- सूखी, दर्दयुक्त खांसी बनी रहती हो
- खांसने पर छाती में दर्द होता हो
- हिलने-डुलने से खांसी बढ़ती हो

3 ड्रोसेरा
- लगातार दौरे वाली खांसी
- रात में अधिक चलती हो
- काली खांसी जैसी अवस्था हो, हुटिंग खांसी की अच्छी दवा है

4 स्पॅंजिया टोस्टा
- भौंकने जैसी सूखी खांसी हो
- गले में सूखापन महसूस हो रहा हो

5 हिपर सल्फर
- कफयुक्त खांसी चल रही हो
- ठंडी हवा से परेशानी होती हो
- गले में संवेदनशीलता रहे

6 ऐन्टिम टार्ट
- छाती में कफ भरा हो
- कफ निकलने में कठिनाई होती हो
- घरघराहट हो

7 पल्सटीला
- गाढ़ा पीला या हरा कफ आता हो
- बंद कमरे में परेशानी, खुली हवा में आराम मिलता हो

8 रियुमेक्स
- ठंडी हवा से खांसी बढ़ना
- गले में गुदगुदी होना

9 फास्फोरस
- बोलने या हंसने से खांसी बढ़ना
- छाती में जलन रहना
- आवाज बैठ जाना

उपरोक्त औषधियां लक्षणानुसार होम्योपैथिक चिकित्सक की सलाह से उचित पावर और मात्रा में लेनी चाहिए।

निष्कर्ष

खांसी एक सामान्य लेकिन महत्वपूर्ण लक्षण है, जिसके पीछे साधारण सर्दी-जुकाम से लेकर दमा, निमोनिया या टीबी जैसी गंभीर बीमारियां भी हो सकती है। इसलिए लंबे समय तक रहने वाली, खून वाली या सांस की तकलीफ के साथ होने वाली खांसी को कभी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। होम्योपैथिक चिकित्सा में रोगी के लक्षणों और प्रकृति के अनुसार चयनित औषधियां सहायक हो सकती हैं, लेकिन गंभीर या लगातार खांसी में चिकित्सकीय जांच आवश्यक हो जाती है, इसमें लापरवाही घातक हो सकती है। अत: योग्य होम्योपैथिक चिकित्सक से परामर्श लेकर ही इस बीमारी से छुटकारा पाया जा सकता है।

स्वस्थ रहें, सतर्क रहें – समय पर जांच और सही उपचार अपनाएं।

राजनीति

नफरत की आंधी में मुहब्बत का दीपक जलता रहा है, जलता रहेगा

निर्मल रानी

देश में जब भी सांप्रदायिक तनाव या नफरत की राजनीति की चर्चा होती है, तब अनेक ऐसी घटनाएं भी सामने आती हैं जो यह विश्वास दिलाती हैं कि इंसानियत आज भी ज़िंदा है। धर्म, जाति और भाषा की दीवारों से ऊपर उठकर एक-दूसरे की मदद करने वाले लोग समाज की असली ताकत हैं। दिल्ली के मालवीय नगर में हाल ही में हुए भीषण अग्निकांड ने ऐसी ही मानवीय संवेदनाओं का उदाहरण प्रस्तुत किया। 3 जून को मालवीय नगर क्षेत्र में लगी भीषण आग में कई लोगों की जान चली गई, जबकि अनेक लोग इमारत में फँस गए थे। इसी दौरान पास में गद्दों की दुकान चलाने वाले रियाजुद्दीन और उनके बेटे ने बिना किसी स्वार्थ के अपनी दुकान के गद्दे इमारत के नीचे बिछा दिए, ताकि लोग ऊँचाई से कूदकर अपनी जान बचा सकें। इस साहसिक पहल से कई लोगों को सुरक्षित बाहर निकलने में मदद मिली। आग बुझने के बाद रियाजुद्दीन के लाखों रुपये मूल्य के गद्दे क्षतिग्रस्त हो गए, लेकिन उन्होंने मानव जीवन को अपनी संपत्ति से अधिक महत्व दिया। उनके इस कार्य की स्थानीय नागरिकों, जनप्रतिनिधियों और सामाजिक संगठनों ने खुले दिल से सराहना की। ऐसी घटनाएँ पहली बार नहीं हुई हैं। महाकुंभ 2025 के दौरान प्रयागराज में मौनी अमावस्या के अवसर पर हुई भगदड़ के बाद अनेक श्रद्धालु सुरक्षित स्थानों की तलाश में आसपास के इलाकों में पहुँच गए थे। उस समय कई मुस्लिम बस्तियों, मस्जिदों और इमामबाड़ों ने अपने द्वार खोलकर यात्रियों को शरण दी। उन्हें भोजन, चाय, कंबल और आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई गई। संकट की उस घड़ी में धार्मिक पहचान से अधिक मानवता को महत्व दिया गया। इसी प्रकार वर्ष 2015 में चेन्नई में आई विनाशकारी बाढ़ के दौरान भी कई मस्जिदों ने राहत शिविरों का रूप ले लिया था। वहाँ हिंदू, मुस्लिम और ईसाई सभी समुदायों के लोगों को आश्रय, भोजन और दवाइयाँ उपलब्ध कराई गईं। उस समय एक मुस्लिम युवक द्वारा एक गर्भवती महिला को सुरक्षित अस्पताल पहुँचाने की घटना भी व्यापक रूप से चर्चा में रही, जिसे सामाजिक सौहार्द की मिसाल माना गया। पंजाब में 2023 की बाढ़ के दौरान भी विभिन्न धार्मिक और सामाजिक संगठनों ने बिना किसी भेदभाव के राहत कार्यों में भाग लिया।

संपादकीय

लोकतंत्र की साख पर सवाल

मध्य प्रदेश में राज्यसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन का नामांकन पत्र रद्द होने का मामला भारतीय लोकतंत्र, चुनावी पारदर्शिता और संस्थागत निष्पक्षता को लेकर नई बहस छेड़ रहा है। यह घटना केवल एक तकनीकी विवाद नहीं, बल्कि चुनावी प्रक्रिया की विश्वसनीयता और राजनीतिक नैतिकता पर गंभीर प्रश्न खड़े करती है। भाजपा और कांग्रेस इस मुद्दे पर आमने-सामने हैं, जबकि चुनाव आयोग और रिटर्निंग

अधिकारी के निर्णय पर भी विभिन्न पक्षों से सवाल उठ रहे हैं। कांग्रेस ने राज्यसभा की एक सीट के लिए मीनाक्षी नटराजन को उम्मीदवार बनाया था। नामांकन दाखिल होने के बाद भाजपा नेताओं ने आपत्ति जताई कि उन्होंने अपने हलफनामे में हैदराबाद से जुड़े वर्ष 2022 के एक लंबित मामले का उल्लेख नहीं किया। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद रिटर्निंग अधिकारी ने नामांकन निरस्त कर दिया। भाजपा का कहना है कि चुनावी हलफनामे में सभी आवश्यक जानकारियों का खुलासा करना कानूनी बाध्यता है और उसी आधार पर निर्णय लिया गया। दूसरी ओर कांग्रेस इसे राजनीतिक प्रेरित कार्रवाई बता रही है। पार्टी का दावा है कि संबंधित प्रकरण केवल एक नोटिस या समन से जुड़ा था और इसे गंभीर आपराधिक मामला नहीं माना जा सकता। मीनाक्षी नटराजन ने भी इसे लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत बताते हुए न्यायिक लड़ाई लड़ने की बात कही है। कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेताओं ने चुनाव आयोग के समक्ष विरोध दर्ज कराया है और मामले को उच्चतम न्यायालय तक ले जाने की तैयारी कर रहे हैं। यह विवाद चुनावी हलफनामों की व्याख्या से जुड़ी एक बड़ी समस्या को भी सामने लाता है। उम्मीदवारों के लिए लंबित मामलों का खुलासा अनिवार्य है, लेकिन किस प्रकार के मामले को अनिवार्य रूप से घोषित किया जाना चाहिए, इसे लेकर अक्सर मतभेद देखने को मिलते हैं। यदि किसी महत्वपूर्ण जानकारी को जानबूझकर छिपाया गया हो तो यह गंभीर विषय है, लेकिन यदि नियमों की व्याख्या अस्पष्ट हो तो विवाद की स्थिति बनना स्वाभाविक है। राजनीतिक दृष्टि से भी यह मामला महत्वपूर्ण है। कांग्रेस पहले ही अपने विधायकों की एकजुटता बनाए रखने की चुनौती से जूझ रही थी। ऐसे समय में प्रमुख उम्मीदवार का नामांकन रद्द होना उसके लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। वहीं भाजपा इसे पूरी तरह कानूनी प्रक्रिया का परिणाम बता रही है और अपने पक्ष को नियमों के अनुरूप ठहरा रही है। सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न चुनावी संस्थाओं पर जनता के विश्वास का है। लोकतंत्र की मजबूती केवल चुनाव कराने से नहीं, बल्कि चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता पर नागरिकों के भरोसे से तय होती है। यदि किसी निर्णय पर व्यापक राजनीतिक विवाद खड़ा हो जाए तो संबंधित संस्थाओं का दायित्व है कि वे पारदर्शी और स्पष्ट तरीके से अपना पक्ष सामने रखें, ताकि किसी प्रकार का भ्रम या अविश्वास पैदा न हो। आगे बढ़ते हुए सभी राजनीतिक दलों को चुनावी सुधारों पर गंभीरता से विचार करना चाहिए।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

दवाओं पर महंगाई की मार

कांतिलाल मांडोत

वैश्विक आर्थिक अस्थिरता और अंतर्राष्ट्रीय तनाव का असर अब आम लोगों के स्वास्थ्य पर भी साफ दिखाई देने लगा है। दवाओं के निर्माण में इस्तेमाल होने वाले कच्चे माल, पैकेजिंग सामग्री और परिवहन लागत में लगातार बढ़ोतरी के कारण कई आवश्यक दवाओं की कीमतें बढ़ गई हैं। बाजार में आने वाले नए स्टॉक की अनेक दवाएं 8 से 17 प्रतिशत तक महंगी हो चुकी हैं, जिससे नियमित इलाज कराने वाले मरीजों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है। भारत दुनिया के प्रमुख दवा उत्पादक देशों में शामिल है, लेकिन दवा निर्माण में उपयोग होने वाले कई महत्वपूर्ण एक्टिव फार्मास्युटिकल इंग्रेडिएंट्स और रसायनों के लिए अब भी आयात पर निर्भर है। हाल के महीनों में वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित होने और कच्चे माल की उपलब्धता घटने से उत्पादन लागत बढ़ी है। बेंजीन, टोल्यून और एथिलीन जैसे पेट्रोकेमिकल आधारित रसायनों की कीमतों में तेजी आई है, जिनका उपयोग पैरासिटामोल, पेनिसिलिन और कई एंटीबायोटिक दवाओं के निर्माण में किया जाता है। दवा उद्योग के सामने केवल कच्चे माल की चुनौती ही नहीं है, बल्कि पैकेजिंग सामग्री भी महंगी हो गई है। टैबलेट की स्ट्रिप, सिरप की बोतलें, इंजेक्शन की शीशियां, सिरिंज और अन्य चिकित्सा उपकरणों में प्रयुक्त प्लास्टिक और एल्युमीनियम की बढ़ती कीमतों ने उत्पादन लागत में उल्लेखनीय वृद्धि की है। इसका सीधा असर उपभोक्ताओं तक पहुंचने वाली दवाओं की कीमतों पर पड़ रहा है। समुद्री परिवहन खर्च बढ़ने से स्थिति और गंभीर हो गई है। अधिकांश कच्चा माल विदेशों से समुद्री मार्ग से भारत आता है, लेकिन अंतर्राष्ट्रीय परिस्थितियों के कारण जहाजरानी, बीमा और लॉजिस्टिक्स लागत में वृद्धि हुई है। परिणामस्वरूप आयातित कच्चा माल महंगा हुआ और नई खेप की दवाएं पहले की तुलना में अधिक कीमत पर बाजार में पहुंच रही हैं। विशेषज्ञों के अनुसार बुखार, दर्द, संक्रमण, एलर्जी और पेट संबंधी बीमारियों में इस्तेमाल होने वाली सामान्य दवाओं पर इसका सबसे अधिक असर दिखाई दे रहा है। पैरासिटामोल के कच्चे माल की कीमत में हाल के समय में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। इसी प्रकार डाइक्लोफेनाक, अमॉक्सिसिलिन और सिप्रोफ्लोक्सासिन जैसे प्रमुख साल्ट भी महंगे हुए हैं, जिससे सामान्य उपचार की लागत बढ़ने लगी है। इस महंगाई का सबसे अधिक प्रभाव मध्यम और निम्न आय वर्ग के परिवारों पर पड़ रहा है। मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग और अन्य दीर्घकालिक बीमारियों से पीड़ित मरीजों को हर महीने नियमित दवाओं की आवश्यकता होती है। कीमतें बढ़ने पर कई लोग खर्च बचाने के लिए दवाओं की मात्रा घटा देते हैं या उपचार बीच में छोड़ देते हैं, जिससे स्वास्थ्य संबंधी जोखिम बढ़ सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि यदि कच्चे माल और परिवहन लागत में वृद्धि जारी रही तो आने वाले समय में दवाओं के साथ-साथ सर्जिकल सामग्री और चिकित्सा उपकरण भी महंगे हो सकते हैं। इसलिए आवश्यक है कि देश में एपीआई और अन्य आवश्यक रसायनों के घरेलू उत्पादन को बढ़ावा दिया जाए तथा आयात पर निर्भरता कम की जाए। स्वास्थ्य केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि सामाजिक आवश्यकता भी है। ऐसे में दवाओं की बढ़ती कीमतें गंभीर चिंता का विषय हैं। सरकार, उद्योग और नीति निर्माताओं को मिलकर ऐसी व्यवस्था विकसित करनी होगी जिससे आवश्यक दवाएं आम नागरिकों को सुलभ और किफायती दरों पर उपलब्ध रह सकें।

गायत्री नगर में आचार्य शशांक सागर जी महाराज का भव्य मंगल प्रवेश

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन मंदिर, महारानी फार्म, गायत्री नगर, जयपुर मंदिर प्रबंध समिति के तत्वावधान में बुधवार प्रातः 6:30 बजे एसएफएस जैन मंदिर से विहार कर वात्सल्य मूर्ति, कवि हृदय आचार्य श्री शशांक सागर जी महाराज ससंघ का बैंड-बाजों के साथ श्री दिगंबर जैन मंदिर, गायत्री नगर में भव्य मंगल प्रवेश हुआ। मंदिर प्रबंध समिति के संयुक्त मंत्री एवं मुनि व्यवस्था समिति के संयोजक संजय ठोलिया ने बताया कि विहार के दौरान मार्ग में अनेक श्रावकों के आवासों के समक्ष आचार्य श्री की आरती एवं पाद प्रक्षालन किया गया। मंदिर पहुंचने पर मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष अरुण शाह के नेतृत्व में मंत्री राजेश वोहरा, कोषाध्यक्ष राकेश छावड़ा, उपाध्यक्ष विजय सोगानी, संतोष गंगवाल, राकेश पाटोदी, पदम झांझरी, बसंत बाकलीवाल, पूर्व अध्यक्ष कैलाश छाबड़ा तथा समाजसेवी दीपेश छाबड़ा, दीपक जैन एवं भूपेश पाटनी सहित अनेक श्रद्धालुओं ने आरती एवं पाद प्रक्षालन कर आचार्य श्री का स्वागत किया। महिला मंडल एवं मुनि वैय्यावृत्ति महिला समूह की पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने मंगल कलश के साथ भव्य अगुवाई की। विश्व शांति की कामना से आयोजित शांतिधारा का सौभाग्य अशोक विधानसभा वाले परिवार एवं अनिल गदिया (बयाना) परिवार को प्राप्त हुआ। इस अवसर पर सैकड़ों श्रद्धालुओं ने अभिषेक एवं शांतिधारा में सहभागिता निभाई।

अपने मंगल उद्बोधन में आचार्य श्री ने कहा कि जब श्रावक और संत एकसूत्र में बंधकर धर्म साधना करते हैं, तब मोक्ष मार्ग पर अग्रसर होने की ऊर्जा प्राप्त होती है। उन्होंने कहा कि साधु-संतों का सतत आवागमन समाज के लिए आवश्यक है तथा उनका संरक्षण, आहार एवं विहार कराना श्रावकों का प्रमुख कर्तव्य है। युवा परिषद् के राष्ट्रीय महामंत्री उदयभान जैन ने बताया कि आचार्य श्री की आहार चर्चा का सौभाग्य आलोक-प्रमिला शाह परिवार को प्राप्त हुआ, जबकि मुनि श्री की आहार चर्या सुनील-लता सोगानी परिवार के यहां निर्विघ्न संपन्न हुई। उन्होंने बताया कि 11 जून को प्रातः 7:30 बजे से श्री दिगंबर जैन मंदिर, गायत्री नगर में आचार्य श्री के मंगल प्रवचन आयोजित किए जाएंगे।

प्रेषक :
उदयभान जैन, जयपुर

समन्वय सद्भावना संगठन
दिगम्बर जैन महासमिति
जैन समाज की संसद

सादर आमंत्रण

भव्य उद्घाटन समारोह

दिगम्बर जैन महासमिति के नवनिर्मित कार्यालय के उद्घाटन समारोह में आप सादर आमंत्रित है। कृपया अवश्य पधारिए।

शनिवार, 20 जून 2026, प्रातः 10 बजे
स्थान - अग्रवाल दिगम्बर जैन मंदिर परिसर
पुराने कार्यालय के पास, कनाट प्लेस, नई दिल्ली

- भवदीय -

अशोक जैन बड़जात्या — राष्ट्रीय अध्यक्ष
सुरेन्द्र जैन पांड्या — राष्ट्रीय महामंत्री
गौरव जैन — राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष

दिगम्बर जैन महासमिति
जैन समाज की संसद

- समारोह संयोजक -

राकेश जैन भोगल — अध्यक्ष
धीरज जैन कासलीवाल — महामंत्री
संजय जैन — कोषाध्यक्ष

दिगम्बर जैन महासमिति केन्द्रांचल

खेल शिविर एवं टीम चयन से विद्यार्थियों में उत्साह

जयपुर. शाबाश इंडिया

सुबोध पब्लिक स्कूल, नियर एयरपोर्ट, सांगानेर, जयपुर में 11 मई से 10 जून 2026 तक कक्षा तृतीय से द्वादश तक के विद्यार्थियों के लिए एक माह का खेल शिविर (स्पोर्ट्स कैंप) आयोजित किया गया। विद्यालय की प्रधानाचार्या आशी श्रीवास्तव की परिकल्पना एवं प्रेरणा से आयोजित इस शिविर का उद्देश्य विद्यार्थियों के शारीरिक विकास, फिटनेस एवं समग्र स्वास्थ्य को प्रोत्साहित करना था। शिविर के माध्यम से विद्यार्थियों में खेल भावना का विकास हुआ तथा आगामी विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं के लिए उनकी तैयारियों को गति मिली। शिविर के दौरान विद्यार्थियों को योग, क्रिकेट एवं फुटबॉल का विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया गया। अनुभवी प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने अपनी शारीरिक क्षमता, एकाग्रता, खेल कौशल तथा टीम भावना का विकास किया। विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से उनमें अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास एवं स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूकता भी विकसित हुई। विद्यार्थियों की उत्साहपूर्ण सहभागिता ने इस खेल शिविर को अत्यंत सफल बनाया। यह आयोजन उनके सर्वांगीण विकास को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ खेलों एवं शारीरिक स्वास्थ्य के महत्व को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ। विद्यालय में आगामी सीबीएसई एवं अन्य जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं को ध्यान में रखते हुए अंडर-14, अंडर-17 एवं अंडर-19 वर्ग की टीमों का चयन भी किया गया। चयन प्रक्रिया में विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लेते हुए अपनी खेल प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। चयनित खिलाड़ियों के लिए प्रतियोगिताओं की दृष्टि से विशेष तैयारियां एवं नियमित प्रशिक्षण प्रारंभ कर दिया गया है।

समन्वय सदभावना संगठन
दिगम्बर जैन महासमिति

दिगम्बर जैन महासमिति राजस्थान अंचल
एवम्
महिलाँचल राजस्थान के द्वारा

दशम् मासिक पूजन विधान

शनिवार, 13 जून 2026
प्रात: 7.30 बजे से 11 बजे तक
आप सभी सादर आमंत्रित है,
कृपया पधारकर धर्म लाभ लेवें।

श्री 1008 आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर
हल्दी घाटी मार्ग सेक्टर -17,
प्रताप नगर जयपुर

कार्यक्रम परामर्शक :
सुरेन्द्र पांडया, राष्ट्रीय महामंत्री
मुख्य समन्वयक :
राजेश बड़जात्या, अचंल कार्याध्यक्ष

सहयोगी-
प्रबंध समिति श्री 1008 आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर
धर्मेंद्र सेठी (अध्यक्ष) श्री आदिनाथ जैन सेवा समिति
अनिल कुमार जैन (BSNL) इकाई अध्यक्ष
लवनेश बगडा इकाई मंत्री
दीपा गोधा महिला इकाई अध्यक्ष
प्रज्ञा जैन महिला इकाई मंत्री

:: आयोजक ::
दिगम्बर जैन महासमिति महिलाचंल राजस्थान
शकुंतला बिंदायक्या अध्यक्ष
सुनीता जैन मंत्री
उर्मिला जैन कोषाध्यक्ष
एवं समस्त कार्यकारिणी सदस्य दिगम्बर जैन महासमिति महिलांचल राजस्थान

:: निवेदक::
दिगम्बर जैन महासमिति राजस्थान अंचल
अनिल जैन IPS अंचल अध्यक्ष
उत्तम चन्द पांडया अंचल निवर्तमान अध्यक्ष
महावीर बाकलीवाल अंचल महामंत्री
रमेश चन्द सोगानी अंचल कोषाध्यक्ष

यज्ञ के माध्यम से विश्व शांति की कामना, रासलीला में छाई कृष्ण जन्मोत्सव की खुशियां

हनुमान टेकरी आश्रम में सप्त दिवसीय श्री विष्णु-लक्ष्मी महायज्ञ का तीसरा दिन

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर भगवान श्रीहरि एवं माता लक्ष्मी की कृपा प्राप्ति के उद्देश्य से भीलवाड़ा के छोटी हरणी स्थित हनुमान टेकरी आश्रम में महंत बनवारीशरण काठियाबाबा के सान्निध्य में पहली बार आयोजित सप्त दिवसीय 11 कुंडीय श्री विष्णु-लक्ष्मी महायज्ञ के तीसरे दिन बुधवार को यज्ञवेदियों में आहुतियों का क्रम जारी रहा।

महायज्ञ में भाग लेने के लिए शहर के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु आश्रम परिसर पहुंचे। महायज्ञ के साथ-साथ श्री राधा रासेश्वरी रासलीला मंडल, श्रीवृंदावनधाम (मथुरा) द्वारा भक्तिमय रासलीला की मनोहारी प्रस्तुतियां भी दी जा रही हैं। बुधवार सुबह 8 बजे महंत बनवारीशरण काठियाबाबा के सान्निध्य में यज्ञ मंडप में श्री शारदा सनातन परमार्थ न्यास के वेदाचार्य पंडित मुकेश शास्त्री के निर्देशन में वैदिक अनुष्ठान संपन्न हुए। प्रत्येक यज्ञ वेदी पर यजमानों के साथ लक्ष्मी स्वरूपा कन्याओं ने भी आहुति अर्पित कर सर्वमंगल एवं विश्व शांति की कामना की।

यज्ञाचार्य ने बताया कि प्रातःकालीन सत्र में यजमानों को पंचगव्य प्राशन कराकर यज्ञ मंडप में प्रवेश कराया गया। इसके पश्चात पवित्रीकरण, स्वस्तिवाचन एवं प्रधान संकल्प संपन्न कराया गया। यज्ञ की निर्विघ्नता के लिए सर्वप्रथम श्री महागणपति भगवान का पूजन किया गया। तत्पश्चात मंडप वास्तु पूजन, आवाहित देवी-देवताओं का विधिवत पूजन एवं गौमाता की पूजा संपन्न कराई गई। हवन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं एवं यजमानों ने आहुति दी। आरती एवं प्रसाद वितरण के साथ प्रातःकालीन यज्ञ सत्र का समापन हुआ। आयोजकों ने बताया कि महायज्ञ का आयोजन 14 जून तक प्रतिदिन प्रातः 8 बजे से दोपहर 12 बजे तक किया जाएगा। महायज्ञ के अंतर्गत मंगलवार रात्रि आश्रम परिसर में महंत बनवारीशरण काठियाबाबा के सान्निध्य में श्री राधा रासेश्वरी रासलीला मंडल, श्रीवृंदावनधाम (मथुरा) द्वारा कृष्ण जन्म एवं नंदोत्सव प्रसंग की भावपूर्ण प्रस्तुति दी गई। मंडल के निर्देशक दामोदरदास काठियाबाबा के निर्देशन में देवकी के गर्भ से भगवान कृष्ण के अवतार की आकाशवाणी, कंस द्वारा देवकी-वासुदेव को कारागार में बंद करना, कारागार में भगवान श्रीकृष्ण का जन्म तथा वासुदेव द्वारा शिशु कृष्ण को टोकरी में रखकर उफनती यमुना पार कर गोकुल पहुंचाने सहित अनेक प्रसंगों का सजीव मंचन किया गया। मंडल के राजू स्वामी ने बताया कि रासलीला में भगवान श्रीकृष्ण के जीवन से जुड़े विभिन्न प्रसंगों का मंचन किया जा रहा है। जन्मोत्सव के बाद गोकुलवासियों द्वारा नंदोत्सव मनाने के दृश्य ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। प्रस्तुति देने वाले दल में 16 कलाकार शामिल हैं। विशेष बात यह रही कि देवकी, यशोदा, राधा एवं गोपियों जैसे महिला पात्रों की भूमिकाएं भी पुरुष कलाकारों ने निभाईं। रासलीला के शुभारंभ पर विशिष्ट अतिथि उमाशंकर पारीक, अनुभव जोशी, सांवरलाल जाट, आशा जाट, अमित अग्रवाल, अशोक मेलाना, रजनीश चपलोत, नितेश बांगड़, नीरज कुमार, दिलीप कुमार मेहता तथा वर्धमान आशीष बूलिया सहित अन्य अतिथियों ने ठाकुरजी की आरती कर धर्मलाभ प्राप्त किया। आयोजकों के अनुसार रासलीला का मंचन प्रतिदिन रात्रि 8 बजे से आश्रम परिसर में किया जा रहा है।

पुरुषोत्तम मास में हरि शेवा उदासीन आश्रम में धर्मगंगा का प्रवाह जारी

अहंकार का त्याग और प्रभु की शरण ही जीवन का सच्चा मार्ग : डॉ. स्वामी निर्मल दास जी महाराज

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

सनातन सेवा समिति, हरि शेवा उदासीन आश्रम सनातन मंदिर एवं महामंडलेश्वर स्वामी श्री हंसराम जी उदासीन महाराज के सान्निध्य में आयोजित श्री शिव महापुराण कथा महोत्सव के तृतीय दिवस पर कथाव्यास एवं प्रखर वक्ता डॉ. स्वामी निर्मल दास जी महाराज ने अपनी ओजस्वी वाणी से 'नारद मोह' एवं 'कुबेर चरित्र' के प्रसंगों का विस्तृत वर्णन करते हुए कहा कि भगवान की भक्ति मनुष्य को अहंकार, मोह और अज्ञान से मुक्त कर आत्मकल्याण का मार्ग प्रदान करती है। स्वामी जी ने नारद मोह प्रसंग का वर्णन करते हुए बताया कि देवर्षि नारद ने कठोर तपस्या एवं साधना के बल पर कामदेव को पराजित कर दिया था। इस विजय के पश्चात उनके मन में सूक्ष्म रूप से अहंकार उत्पन्न हो गया। भगवान विष्णु ने अपने परम भक्त के कल्याण के लिए अपनी मायाशक्ति का विस्तार किया। मायानगरी एवं स्वयंवर के प्रसंग में नारद जी मोह के बंधन में बंध गए। जब उन्हें अपनी भूल का ज्ञान हुआ तो उनका अभिमान समाप्त हो गया और उन्होंने प्रभु की शरण ग्रहण की। उन्होंने कहा कि यह प्रसंग मानव जीवन को शिक्षा देता है कि ज्ञान, तप, पद और सामर्थ्य का अभिमान भी आध्यात्मिक पतन का कारण बन सकता है। ईश्वर अपने भक्तों को विनम्रता का पाठ पढ़ाकर उनके जीवन को सही दिशा प्रदान करते हैं। डॉ. स्वामी निर्मल दास जी महाराज ने कथा में कुबेर के पूर्व चरित्र का भी विस्तार से वर्णन करते हुए बताया कि उन्होंने पूर्व जन्म में भगवान शिव की अनन्य भक्ति एवं कठोर तपस्या की थी। उनकी निष्ठा, समर्पण और श्रद्धा से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने उन्हें धन के अधिपति तथा देवताओं के कोषाध्यक्ष का पद प्रदान किया। उन्होंने कहा कि कुबेर की महानता केवल उनके वैभव में नहीं, बल्कि उनकी शिवभक्ति में निहित है। यह प्रसंग बताता है कि सच्ची श्रद्धा और तप के बल पर साधारण

व्यक्ति भी असाधारण उपलब्धियां प्राप्त कर सकता है तथा धन और वैभव तभी सार्थक हैं, जब उनका उपयोग धर्म, सेवा और लोककल्याण के लिए किया जाए। स्वामी जी ने कहा कि मानव जीवन अत्यंत दुर्लभ है, इसलिए समय मिलने पर सत्संग, तीर्थयात्रा, जप एवं तप अवश्य करना चाहिए। उन्होंने श्रद्धालुओं को ''ॐ हरये नमः'' एवं ''ॐ महेश्वराय नमः'' मंत्रों के जप का महत्व भी बताया। कथावाचन के दौरान उन्होंने पार्थिव शिवलिंग पूजन की महिमा का वर्णन करते हुए कहा कि विभिन्न कामनाओं की पूर्ति के लिए शास्त्रों में पार्थिव शिवलिंग निर्माण एवं पूजन का विधान बताया गया है। धन, भूमि, वस्त्र तथा सुयोग्य एवं बुद्धिमान संतान की प्राप्ति के लिए श्रद्धा एवं विधिपूर्वक भगवान शिव की आराधना का विशेष महत्व है। महाभारत के प्रसंग का उल्लेख करते हुए स्वामी जी ने कहा कि जब भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन और दुर्योधन को विकल्प दिया, तब दुर्योधन ने विशाल सेना को चुना, जबकि अर्जुन ने स्वयं भगवान श्रीकृष्ण को। यही अर्जुन की मांगने की कला थी कि उन्होंने संपत्ति नहीं, बल्कि परमात्मा को चुना। जब भगवान साथ होते हैं तो सभी प्रकार की संपदाएं स्वतः प्राप्त हो जाती हैं और जीवन की नैया पार लग जाती है। उन्होंने कहा कि शिवपुराण को केवल कर्मकांड या पाखंड के रूप में नहीं देखना चाहिए। इसमें भगवान शिव की उपासना, पूजन-विधि एवं जीवन को धर्ममय बनाने के मार्ग का विस्तारपूर्वक वर्णन है। शिवलिंग पूजा का पूर्ण लाभ गुरु दीक्षा एवं शास्त्रोक्त विधि से ही प्राप्त होता है। जिस प्रकार मार्ग भटक जाने पर किसी जानकार से रास्ता पूछा जाता है, उसी प्रकार आध्यात्मिक मार्ग में गुरु का मार्गदर्शन आवश्यक है।

जयपुर सिल्वर एसोसिएशन की मोबाइल ऐप का शुभारंभ

जयपुर. शाबाश इंडिया

जयपुर सिल्वर एसोसिएशन की आधिकारिक मोबाइल ऐप का शुभारंभ बुधवार को मुंबई स्थित जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में आयोजित 'जीओ सिल्वर शो ऑफ इंडिया' के दौरान किया गया। इस अवसर पर ऐप के बहुरंगी पोस्टर का भी विमोचन किया गया। ऐप का शुभारंभ कर्नाटक एसोसिएशन के अध्यक्ष श्रीकांत करी, बेलगावी एसोसिएशन के उपाध्यक्ष वैभव वर्निकर, जयपुर सिल्वर एसोसिएशन के अध्यक्ष उज्ज्वल डेरेवाला, मानद सचिव राहुल जैन, मोटिवेशनल स्पीकर अंकित बैद तथा एसोसिएशन के अन्य पदाधिकारियों की उपस्थिति में किया गया। जयपुर सिल्वर एसोसिएशन के अध्यक्ष उज्ज्वल डेरेवाला ने बताया कि इस ऐप का उद्देश्य एसोसिएशन के सभी सदस्यों एवं सराफा व्यापार से जुड़े लोगों को सोने-चांदी के दैनिक भाव, उद्योग से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी, एसोसिएशन की गतिविधियों तथा आवश्यक सूचनाएं एक ही मंच पर उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि आज के डिजिटल युग में सही और समय पर जानकारी व्यवसाय की सफलता का महत्वपूर्ण आधार है। ऐसे में यह ऐप सदस्यों के बीच बेहतर संवाद स्थापित करने, पारदर्शिता बढ़ाने तथा व्यापारियों, निमार्ताओं, कारीगरों एवं उद्योग से जुड़े सभी लोगों के लिए एक उपयोगी माध्यम सिद्ध होगा। उन्होंने आगे बताया कि एसोसिएशन की इस ऐप का शुभारंभ उद्योग को डिजिटल रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसके माध्यम से सदस्य आसानी से सोने एवं चांदी के ताजा बाजार भाव, विभिन्न कार्यक्रमों, महत्वपूर्ण सूचनाओं एवं अन्य उपयोगी जानकारियों तक त्वरित पहुंच प्राप्त कर सकेंगे।

भिंड पंचकल्याणक महामहोत्सव में पट्टाचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज ने गिरनार धर्म यात्रा के लिए दिया मंगल आशीर्वाद

विश्व जैन संगठन ने श्रद्धालुओं से यात्रा में सहभागिता का किया आह्वान

भिंड. शाबाश इंडिया

22वें जैन तीर्थंकर भगवान नेमिनाथ के मोक्षकल्याणक के पावन अवसर पर विश्व जैन संगठन द्वारा आयोजित गिरनार धर्म यात्रा के लिए भिंड में आयोजित पंचकल्याणक महामहोत्सव के दौरान पट्टाचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज ने मंगल आशीर्वाद प्रदान किया। यह धर्म यात्रा 25 जून 2026 को दिल्ली से प्रारंभ होकर लगभग 25 दिनों में करीब 5100 किलोमीटर की दूरी तय करते हुए 19 जुलाई 2026 को गिरनार जी पहुंचेगी। इस अवसर पर विश्व जैन संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय जैन तथा भिंड के गुरु सेवा परिवार द्वारा गिरनार वंदना के लिए प्रस्तावित 22 बसों के श्रद्धालुओं को भी आशीर्वाद प्रदान किया गया। पंचकल्याणक महोत्सव के विशाल पंडाल में शंकर जैन (पत्रकार), बॉबी जैन एवं उनकी टीम सहित उपस्थित श्रद्धालुओं को भी गिरनार वंदना यात्रा के लिए शुभाशीष प्राप्त हुआ। इस अवसर पर विश्व जैन संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय जैन ने भिंड एवं आसपास के क्षेत्रों से आए हजारों श्रद्धालुओं से गिरनार वंदना में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने तथा 2 जुलाई 2026 को भिंड पहुंचने वाली धर्म यात्रा में सहभागिता करने का आह्वान किया। पंचकल्याणक महोत्सव समिति द्वारा इस अवसर पर संजय जैन एवं विश्व जैन संगठन के सम्मानित सदस्य अभिषेक जैन (पीएनबी), दिल्ली का सम्मान भी किया गया। कार्यक्रम के दौरान संजय जैन, शंकर जैन (पत्रकार) एवं अभिषेक जैन ने भगवान महावीर की समवशरण स्थली बरासों अतिशय क्षेत्र के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया तथा समाजजनों से अधिकाधिक संख्या में गिरनार वंदना यात्रा से जुड़ने का आग्रह किया।

छबड़ा थर्मल में नि:शुल्क आयुर्वेदिक चिकित्सा शिविर आयोजित

200 अधिकारी एवं कर्मचारी हुए लाभान्वित

✍ आजाद शेरवानी

बारां/छबड़ा. शाबाश इंडिया। राजस्थान विद्युत उत्पादन निगम के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक देवेंद्र श्रृंगी के निर्देशानुसार छबड़ा थर्मल एवं सुपरक्रिटिकल विद्युत गृह में कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों के स्वास्थ्य संवर्धन और चिकित्सा जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बुधवार को थर्मल कॉलोनी स्थित डिस्पेंसरी में निःशुल्क आयुर्वेदिक चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर आरजीएचएस संबद्ध एम्बियंस केरला आयुर्वेदिक अस्पताल, कोटा एवं जयपुर की चिकित्सा टीम के सहयोग से किया गया। इसमें छबड़ा थर्मल के लगभग 200 अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने स्वास्थ्य जांच कराकर आयुर्वेदिक चिकित्सा सेवाओं का लाभ उठाया। शिविर के दौरान कर्मचारियों को स्वास्थ्य जागरूकता, रोगों की प्रारंभिक जांच तथा आयुर्वेद के माध्यम से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। आयुर्वेदिक चिकित्सा शिविर में छबड़ा थर्मल के मुख्य अभियंता (ऑपरेशन एवं मेंटेनेंस) के.सी. सिंघल, छबड़ा सुपरक्रिटिकल के मुख्य अभियंता वीरेन्द्र कुमार, अतिरिक्त मुख्य अभियंता आर.पी. सिंह तथा संयुक्त निदेशक (कार्मिक) ओम प्रकाश मेघवाल सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भी स्वास्थ्य परीक्षण कराया और कर्मचारियों की जांच एवं परामर्श प्रक्रिया के दौरान उपस्थित रहे। मुख्य अभियंता के.सी. सिंघल ने बताया कि शिविर में कर्मचारियों के ब्लड प्रेशर एवं ब्लड शुगर की जांच, सामान्य आयुर्वेदिक स्वास्थ्य परीक्षण तथा अनुभवी चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य परामर्श प्रदान किया गया।

रक्तदान महादान, एक यूनिट रक्त बचा सकता है कई जिंदगियां : डॉ. दिनेश

विश्व रक्तदाता दिवस के उपलक्ष्य में सेटेलाइट चिकित्सालय में आयोजित हुआ प्रेरणात्मक व्याख्यान

अजमेर. शाबाश इंडिया। विश्व रक्तदाता दिवस (14 जून) के उपलक्ष्य में राजकीय सेटेलाइट चिकित्सालय, अजमेर में बुधवार को रक्तदान के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने एवं स्वैच्छिक रक्तदान को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रेरणात्मक व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय, अजमेर के आईएचटीएम विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. दिनेश बीलवाल ने रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि रक्तदान मानवता की सबसे बड़ी सेवाओं में से एक है।

उन्होंने कहा कि एक यूनिट रक्त कई मरीजों को नया जीवन देने में सहायक सिद्ध हो सकता है, इसलिए प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को नियमित रूप से स्वैच्छिक रक्तदान करना चाहिए। डॉ. बीलवाल ने रक्तदान से जुड़े विभिन्न मिथकों एवं भ्रांतियों का वैज्ञानिक तथ्यों के आधार पर खंडन करते हुए लोगों को निस्वार्थ भाव से रक्तदान के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि दुर्घटनाओं, प्रसव, शल्य चिकित्सा एवं गंभीर बीमारियों से पीड़ित मरीजों के उपचार में समय पर रक्त की उपलब्धता अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। कार्यक्रम के उपरांत राजकीय सेटेलाइट चिकित्सालय के अधीक्षक डॉ. जी.सी. मीना ने डॉ. दिनेश बीलवाल का सम्मान कर उनके योगदान की सराहना की। इस अवसर पर अधीक्षक डॉ. जी.सी. मीना, उपाधीक्षक डॉ. विनय कपूर, डॉ. गावीश लखीवाल, डॉ. दिनेश पारीक, डॉ. सुनीता टेकचंदानी, डॉ. अनीता, डॉ. सुमित गर्ग, डॉ. तरुण गौड़ सहित चिकित्सालय के चिकित्सक, नर्सिंग स्टाफ एवं अन्य कार्मिक उपस्थित रहे।

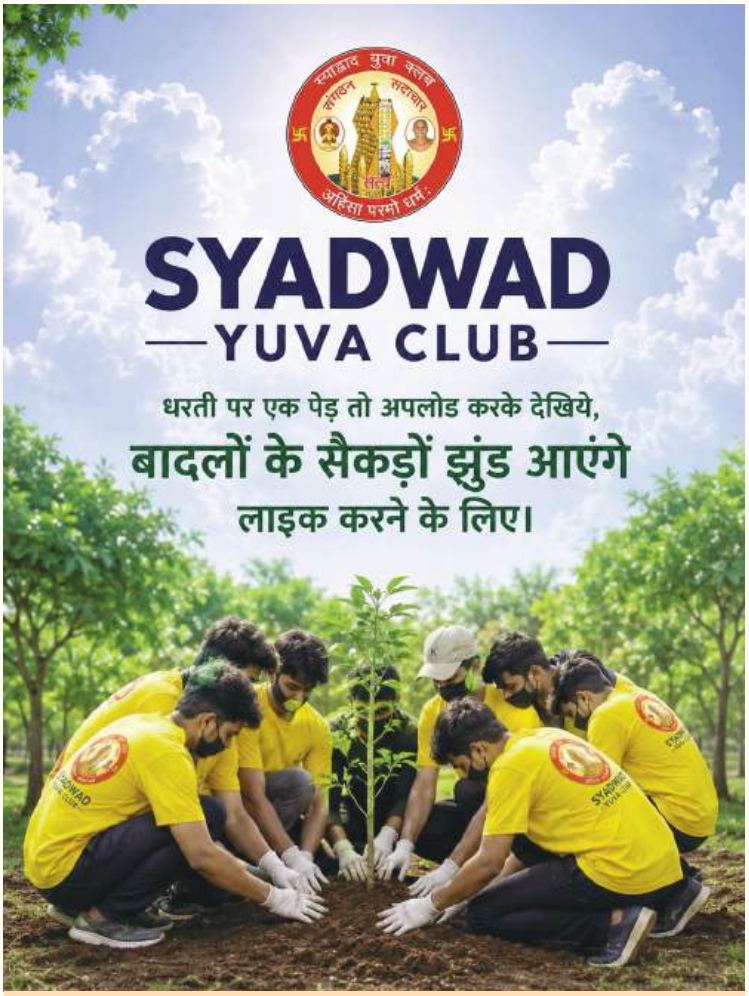

विश्व पर्यावरण दिवस पर स्याद्वाद युवा क्लब ने किया वृक्षारोपण

सभी सदस्यों ने लिया एक-एक पौधे के संरक्षण का संकल्प

मुरैना/दिल्ली. शाबाश इंडिया। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर स्याद्वाद युवा क्लब, दिल्ली द्वारा दिलशाद गार्डन स्थित डियर पार्क में प्रातः 8 बजे भव्य वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्लब के सदस्यों, युवाओं एवं गणमान्य नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर प्रतिभागियों ने विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण किया तथा उनके संरक्षण का संकल्प भी लिया। वक्ताओं ने कहा कि बढ़ते प्रदूषण एवं जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए वृक्षारोपण अत्यंत आवश्यक है। प्रत्येक नागरिक को अपने जीवन में कम से कम एक पौधा लगाकर उसके संरक्षण एवं देखभाल का दायित्व निभाना चाहिए। क्लब के पदाधिकारियों ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि निरंतर निभाई जाने वाली सामाजिक जिम्मेदारी है। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में हरियाली बढ़ाना, पर्यावरण के प्रति जन-जागरूकता फैलाना तथा युवाओं को प्रकृति संरक्षण के लिए प्रेरित करना है। कार्यक्रम के समापन पर सभी उपस्थित लोगों ने पर्यावरण संरक्षण तथा अधिक से अधिक वृक्ष लगाने एवं उनके संरक्षण का संकल्प लिया। इस सफल आयोजन के माध्यम से स्याद्वाद युवा क्लब ने समाज को हरित, स्वच्छ एवं संतुलित पर्यावरण के निर्माण के लिए प्रेरित करने का सराहनीय प्रयास किया।

‘आभार मित्रों का’ में गूंजी सेवा की गौरवगाथा, 367 सम्मान से अलंकृत हुए रोटेरियन

रोटरी इंटरनेशनल डायरेक्टर वासुदेव गोलियान और सांसद विवेक कृष्ण तन्खा की उपस्थिति में रायपुर में संपन्न हुआ भव्य सम्मान समारोह

रायपुर. शाबाश इंडिया

रोटरी इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3261 के प्रांतपाल रोटे अमित पल्लवी जायसवाल के नेतृत्व एवं रोटरी क्लब धमतरी के तत्वावधान में आयोजित भव्य एवं गरिमामय सम्मान समारोह ‘‘आभार मित्रों का’’ रविवार को रायपुर में हर्षोल्लास एवं गरिमा के साथ संपन्न हुआ। समारोह में मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं ओडिशा सहित विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में रोटेरियनों ने सहभागिता कर सेवा, नेतृत्व और उपलब्धियों का उत्सव मनाया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रोटरी इंटरनेशनल डायरेक्टर वासुदेव गोलियान (नेपाल) तथा विशिष्ट अतिथि पूर्व प्रांतपाल एवं राज्यसभा सांसद विवेक कृष्ण तन्खा रहे। अतिथियों ने रोटरी द्वारा शिक्षा, स्वास्थ्य, जल संरक्षण, पर्यावरण एवं सामुदायिक विकास के

क्षेत्रों में किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए सेवा कार्यों को समाज परिवर्तन का सशक्त माध्यम बताया। अपने संबोधन में वासुदेव गोलियान ने कहा कि भारत के रोटरी सदस्य शिक्षा, स्वास्थ्य एवं आर्थिक विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दे रहे हैं। उन्होंने विशेष रूप से रोटरी वर्ष 2025-26 में प्रांतपाल अमित जायसवाल के नेतृत्व में डिस्ट्रिक्ट 3261 द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्यों की प्रशंसा करते हुए बताया कि यह डिस्ट्रिक्ट आज भारत के तीन जोनों के 28 डिस्ट्रिक्ट्स में अग्रणी 10 डिस्ट्रिक्ट्स में स्थान प्राप्त कर चुका है। विशिष्ट अतिथि विवेक कृष्ण तन्खा ने जल संरक्षण, पर्यावरण संवर्धन एवं शिक्षा के क्षेत्र में किए गए कार्यों के लिए सभी क्लब अध्यक्षों, सचिवों एवं डिस्ट्रिक्ट टीम को बधाई देते हुए कहा कि रोटरी की सेवा भावना समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। समारोह का शुभारंभ मुख्य एवं विशिष्ट अतिथियों तथा पूर्व प्रांतपालों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके पश्चात रोटरी क्लब भिलाई पिनाकल के सदस्यों द्वारा प्रस्तुत गणेश वंदना ने पूरे सभागार को भक्तिमय वातावरण से सराबोर कर दिया। विदेश एवं अन्य क्षेत्रों से आए अतिथियों का स्वागत रोटे अंकिता तिवारी एवं शिल्पी चौधरी द्वारा प्रस्तुत आकर्षक स्वागत नृत्य से किया गया, जिसकी सभी ने सराहना की। प्रांतपाल अमित जायसवाल ने सभी आमंत्रित अतिथियों एवं रोटरी पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए पूरे वर्ष सेवा कार्यों में सहयोग देने वाले सभी क्लबों और सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया। डिस्ट्रिक्ट मीडिया चेयरमैन रोटे नितिन जैन ने बताया कि अवार्ड कमेटी के अध्यक्ष रोटे दिलीप गोलेछा एवं उनकी टीम ने पूरे रोटरी वर्ष के उत्कृष्ट कार्यों का मूल्यांकन कर विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कारों की सूची तैयार की। समारोह के दौरान विभिन्न राज्यों से आए रोटेरियनों ने अपनी सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से कार्यक्रम में उत्साह एवं उल्लास का वातावरण निर्मित किया। समारोह में रोटरी के सात प्रमुख सेवा क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले क्लबों, अध्यक्षों, सचिवों एवं डिस्ट्रिक्ट पदाधिकारियों को कुल 367 पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उनके उत्कृष्ट नेतृत्व, नवाचार एवं समाजसेवा के प्रति समर्पण के लिए प्रदान किए गए। कार्यक्रम के सफल आयोजन में डिस्ट्रिक्ट सेक्रेटरी रोटे सोमनाथ अग्रवाल, रोटे अजीत खंडेलवाल, रोटे सुशील रामदास अग्रवाल, रोटरी क्लब धमतरी के अध्यक्ष रोटे मनीष मित्तल, सचिव अर्पित जैन सहित सभी क्लब पदाधिकारियों एवं सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

रोटे नितिन जैन
डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन, मीडिया
रोटरी इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3261